रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 45 • अंक – 21 • कानपुर 1 से 15 नवम्बर 2023 • प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी • वार्षिक मूल्य ₹ 100

अब समय आ गया है कड़े निर्णय लेने का

केन्द्र सरकार एवं उ0प्र0 सरकार ने जो उपहार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति को दिया है इतिहास साक्षी है ऐसा उपहार कभी भी किसी भी गैर मान्यता प्राप्त पद्धति को नहीं मिला

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में रोज़ नये–नये परिवर्तन होते रहते हैं यह परिवर्तन अगर सकारात्मक हों तो पद्धति के विकास में सहायक होते हैं और जब यह परिवर्तन नकारात्मकता का स्वरूप ले लेते हैं तो पद्धति के विकास को अवरूद्ध करने लगते हैं गत वर्षों में मूल भूत परिवर्तन हुआ है इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्था संचालन करने वाले लोगों की मानसिकता में परिवर्तन आया है।

बहुत सारे ऐसे लोग हैं जिनमें निराशा इस कदर घर कर गयी है कि काम तो करना चाहते हैं परन्तु दिशा सही नहीं पकड़ रहे हैं एक दूसरे के अधिकारों पर अतिक्रमण तक सीमित रहें तो ठीक है अब तो लोग बलात अतिक्रमण करने लगे हैं, जीवन पर्यन्त इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ाव रखने के कारण न तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी को छोड़ रहे हैं और न ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी से मोह भंग हो पा रहा है।

जब हम इस विषय पर विचार करते हैं कि यदि इन्हें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य नहीं करना है तो फिर इस पद्धति को अपने असफल प्रयासों से दूषित क्यों कर रहे हैं ? सोचने के बाद मन में यही उत्तर आता है कि शायद जो साख उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कमायी है उसको छोड़ना भी नहीं चाहते और सुना तो पा ही नही रहे हैं, इन्हीं सम विषम परिस्थितियों के कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी उस स्थान को नहीं प्राप्त कर पा रही है जो उसे वास्तव में प्राप्त कर लेना चाहिये, जब हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय अधिकार दिलाने के लिए सरकार से लड़ रहे थे तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चरम पर थी।

आज जब केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालन के लिए सारे मार्ग प्रशस्त कर दिये गये हैं तब भी हम विकास की सही राह पर बढ़ नहीं पा रहे हैं, यह एक

अब क्या समस्या है!

- ✓सारे मार्ग तो आपके लिये सरकार द्वारा खोल दिये गये हैं
- ✓आपको अधिकार प्राप्त चिकित्सक के रुप चिकित्सा करने की सहमति भी मिल चुकी है
- ✓आखिर आप चाहते क्या हैं?

ऐसा यक्ष प्रश्न है जिस पर यदि शीघ्र उत्तर नहीं पाया गया तो शायद इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उस विकास का सपना जो हम सब लोगों ने देख रखा है संभवतः सुगमता से सम्भव न हो सके, इन्हीं सब विषयों पर गम्भीरता से चिन्तन के लिए व भविष्य की ठोस रणनीति तैयार करने के लिए बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद द्वारा 26 अगस्त, 2023 को होटल एलोरा, लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में घोषणा की थी कि बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध यदि कोई इन्सटीट्यूट/स्टडी सेन्टर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन करता है तो बोर्ड की ओर से उस संस्थान को निःशुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियां उपलब्ध करायी जायेंगी, 26 अगस्त, 2023 के पश्चात बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 से सम्बद्ध अनेक इन्सटीट्यूट/मेडिकल इन्सटीट्यूट, स्टडी सेन्टर्स के प्रमुखों द्वारा अनेक एक दिवसीय / दो दिवसीय निःशुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा शिवरों का आयोजन किया गया जिसमें रायबरेली जौनपुर, लखीमपुर, वलीदपुर मऊ, बहराईच, जालौन, हमीरपुर, महाराजगंज व फतेहपुर व कानपुर (घाटमपुर) का बहुचर्चित कुष्मण्डा देवी का मंदिर आदि में ज़िला मुख्यालय एवं इनसे सम्बद्ध ग्राम पंचायतों व तहसीलों के अनेक सुदूर क्षेत्रों में विकासोन्मुखी चिकित्सा शिवरों का आयोजन किया गया इन शिवरों से अनेक रोगी लाभांवित होने के प्रमाण मिले क्योंकि शिवरों के समापन के पश्चात 90 प्रतिशत रोगी फॉलोअप के लिये भी आये।

24 अक्टूबर, 2023 को विजय दशमी के अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया द्वारा लखनऊ में एक आपात चिन्तक गोष्ठी आहूत की गयी हर चिन्तक ने अपने–अपने विचार रखे इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि हर विचार सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए ही था, छिद्रान्वेषण के लिए कोई भी स्थान नहीं था विभिन्न पहलू पर चर्चा होने के बाद सामूहिक रूप से जो निचोड़ आया उस पर निर्णय लेते हुए माननीय अध्यक्ष डा0 एम0एच0 इदरीसी ने तय किया कि यदि वास्तव में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को विकास के रास्ते पर ले चलना है तो हमें कुछ कड़े निर्णय लेने पड़ेंगे यह निर्णय किसी व्यक्ति विशेष या संस्था के लिए न होकर सामूहिक होंगे क्योंकि अब समय आ गया है कि निजी हितों से ऊपर उठकर सिर्फ चिकित्सा पद्धति के लिए कार्य किया जाये इसके मूल में यह है कि जब कोई चिकित्सा पद्धति पुष्पित पल्लवित होती है तो उससे जुड़ा हर व्यक्ति स्वतः समृद्धिशाली हो जाता है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है और सम्भावनायें भी असीम हैं इन सम्भावनाओं से परिणाम निकालना हमारा अपना कार्य है ऐसे व्यक्ति जो स्वार्थ से लिप्त होकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अन्य पद्धतियों के साथ जोड़कर विकास यात्रा में शामिल होना चाहते हैं उनके स्वप्न कभी पूरे होते नहीं दिखते क्योंकि हर चिकित्सा पद्धति को अपनी उपयोगिता सिद्ध करनी पड़ती है।

गत वर्षों से योग और नेचुरोपैथी की चकाचौंध से हमारे कुछ साथी इस कदर प्रभावित हैं कि वे इलेक्ट्रो होम्योपैथी को इसके साथ घालमेल करके इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आवरण पहने रहना चाहते हैं यह कितना तर्क संगत है ? यह तो वही जान सकते हैं जो इस तरह की धारणा के पोषक हैं।

ऐसी धारणायें हो सकता है कुछ समय तक उन्हें यश और धन प्रदान कर दें परन्तु जब स्वंय उनका अन्तर्मन इस विषय पर चिन्तन करने के लिए विवश करेगा तो शायद वह खुद को क्षमा नहीं कर पायेंगे।

आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी से काम करने की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कहीं पर कोई रूकावट या असहजता जैसी बात नहीं है फिर भी तालमेल की जगह घालमेल का काम जारी है सबसे संकट पैदा करने वाली बात औषधि निर्माण के क्षेत्र से आने वाली है आज पूरे भारत में सैकड़ों की संख्या में इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधि निर्माणशालायें जन्म ले चुकी हैं और हर औषधि निर्माता गुणवत्ता युक्त औषधि निर्माण का दावा कर रहा है, हम उनके दावे को खारिज नहीं करते लेकिन यदि कभी कोई परीक्षण हो जाये तो वह परीक्षण की हर कसौटी पर खरा उतरे, पहले कागजी सत्यापन होते थे अब भौतिक सत्यापन का समय है इसलिए यदि किसी निर्माण शाला का भौतिक सत्यापन किसी सक्षम अधिकारी द्वारा किया जाये तो निर्माण शाला संचालक अपनी निर्माण प्रक्रिया और अधिकारों के बारे में अधिकारी को बता कर संतुष्ट कर दे थोड़ी बहुत कमी है तो उसके लिए समय मिल सकता है लेकिन जहां कुछ भी नहीं है और उस विषय पर गलत प्रचार किया जाये तो यह विषय कभी भी उचित नहीं ठहराया जायेगा।

आजकल कुछ कम्पनियां लाइसेंस शुदा दवा बना रही हैं अब आप इन दवा निर्माताओं से पूछिये कि आप

शेष पेज 2 पर

चिन्ता नहीं आवश्यकता है चिन्तन की

मनुष्य के जीवन में चिन्तायें आती और जाती रहती हैं या दूसरे शब्दों में कहा जाये कि जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं में चिन्तित होना भी एक घटना है, चूंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ा हुआ हर व्यक्ति भी मानव की श्रेणी में आता है इसलिए उनका चिन्तित होना स्वाभाविक ही है, लेकिन यह कटु सत्य भी है कि चिन्ता से किसी समस्या का समाधान नहीं होता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिन्ताओं के विविध स्वरूप हैं, चिकित्सक चिन्तित है कि उसका सरकारी पंजीकरण नहीं हो रहा है, पंजीयन की प्रेरणा देने वाले इसलिए चिन्तित हैं कि चिकित्सक पंजीयन का आवेदन नहीं कर रहा है, कालेज चलाने वाले चिन्तित हैं कि उनके यहाँ प्रवेश नहीं हो रहे हैं, शीर्ष संस्थायें अपने अस्तित्व के लिए चिन्तित हैं, शीर्ष संस्थाओं से जुड़े कर्मचारी अपने भविष्य को लेकर चिन्तित हैं, कार्यालय के कार्यकर्ता अपनी टेबल को लेकर चिन्तित हैं, इस तरह देखा जाये तो हर व्यक्ति चिन्ता ग्रस्त ही दिखता है, मगर मूल प्रश्न यह है कि क्या इन चिन्ताओं से कुछ हासिल होना है ? जब चिन्ताओं से कुछ मिलना ही नहीं ! तो चिन्ता क्यों करें !! सफलता पाने के लिए चिन्ता का स्थान चिन्तन को मिलना चाहिये, चिन्तित व्यक्ति कभी भी सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर ही नहीं कर सकता और जहाँ नकारात्मकता पहले ही प्रभावी हो वहां पर किसी भी अच्छे परिणाम की आशा करना व्यर्थ ही है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी आज जिस स्थिति में है वह एक स्पष्ट चिन्तन की आवश्यकता महसूस करती है क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का भविष्य आज भी स्पष्ट है, बस आवश्यकता है तो एक ऐसी नीति निर्धारण करने की जिसपर चलकर भविष्य की रूपरेखा तय की जा सके, यदि हम आज की स्थिति पर दृष्टिपात करते हैं और खोया पाया के दृष्टिकोंण से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का मूल्यांकन करते हैं तो पाने का पलड़ा ज़्यादा भारी है, हम निरन्तर पा ही तो रहे हैं।

पाने का सिलसिला 5–5–2010 से जो प्रारम्भ हुआ था वह आज भी यथावत है, 5–5–2010, 21 जून, 2011, 4 जनवरी, 2012, 2 सितम्बर, 2013 व 14 मार्च, 2016 यह सारी तिथियां हमें कुछ न कुछ दे ही रही हैं और इतना दे रही है कि जिनका की हम उपयोग ही नहीं कर पा रहे हैं, सबकुछ पा कर कुछ भी न पाने जैसा प्रदर्शन करना इस बात को स्पष्ट करता है कि हमारे आत्मबल में इतनी कमी आ गयी है कि सामने रखे गेंद को भी पत्थर समझ कर बच कर निकलने का प्रयास करते हैं और फिर शुरू होता है चिन्तित होने का अन्तहीन सिलसिला और यदि यह सिलसिला ऐसे ही चलता रहा तो जो कुछ पाया है या तो काल के गाल में समा जायेगा या फिर इसका लाभ वही उठा पायेंगे जिनकी दृष्टि दूरदर्शी होगी, इसलिए चिन्ताओं के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी में कोई स्थान नहीं होना चाहिये और जो चिन्तित व्यक्ति हैं उन्हें चिन्तन शिविर में जाकर आत्म चिन्तन करना चाहिये कि भविष्य का निर्धारण उन्हें कैसे करना है !

उदर पोषण की भावना से ऊपर उठकर एक वैभवशाली जीवन की कल्पना करते हुए कार्य करें क्योंकि जीवन में कुछ भी असम्भव नहीं होता, किसी कवि ने ठीक ही कहा है आदमी सोच तो ले उसका इरादा क्या है ! जब इरादा पक्का होता है तो चिन्तायें उनकी राह में रोड़ा नहीं अटकाती हैं, इस बात में कोई दो राय नही है कि आज की बाज़ारवादी संस्कृति ने परिभाषायें व मूल्य बदल कर रख दिये हैं, मंज़िल के स्थान पर बाज़ार नज़र आते हैं लेकिन ऐसे व्यक्ति चिन्ताओं से परे होते हैं इसलिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े हर व्यक्ति का यह दृष्टिकोंण होना चाहिये कि जीवन के पथ पर चिन्तित रहते हुए प्रगति नहीं पायी जा सकती है, जो व्यक्ति चिन्तित हैं या तो उनकी चिन्ता दूर करने का प्रयास करना चाहिये या फिर उनसे किनारा कर लेना चाहिये चूंकि हमें अभी ज़िन्दा रहना है और ज़िन्दगी का सफ़र बहुत लम्बा है, चिन्ता के बारे में यह उक्ति है कि चिन्ता जीव समेत अस्तु उज्जवल भविष्य की कामना के साथ सुखद जीवन की कल्पना लिये हुए भविष्य की सुन्दर लालसा के साथ सिर्फ कार्य करें तथा अपने विचारों मे चिन्ताओं को कोई जगह नहीं दें।

प्रथम पेज से आगे

अब समय आ गया है कड़े निर्णय लेने ....

को किस इकाई ने निर्माण का लाइसेंस प्रदान कर रखा है ? क्योंकि जिस संगठन को भारत सरकार ने अधिकृत कर रखा है उस संगठन द्वारा अभी तक किसी भी औषधि निर्माता को औषधि निर्माण का प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है, इसका उत्तर वही निर्माता दे सकते हैं जो इस तरह के शब्दों का प्रयोग करते हैं।

हँसी तो तब आती है जब एक ऐसे बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा जिसने जीवन के लगभग 6 दशक इलेक्ट्रो होम्योपैथी की सेवा में गुज़ारे पता नहीं ! किस भ्रम जाल में फंसे हैं !! कि वह यूनानी व आयुर्वेदिक के नाम पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधि का निर्माण कर रहे हैं और ऐसी औषधियों की गुणवत्ता के बड़े–बड़े दावे कर रहे हैं, अब ऐसी बातें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में कभी सहायक होंगी या ये प्रश्न ही बने रहेंगे ? हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिये कि ज्यों–ज्यों विकास होता है त्यों–त्यों उसे कसौटी पर कसा जाता है आज की सरकार स्वास्थ्य के प्रति ज़्यादा सजग है और औषधि के क्षेत्र में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाये हुए है।

योगा का पूरे विश्व में प्रचार प्रसार हो रहा है बड़े बड़े दावे भी होते हैं कि गम्भीर से गम्भीर रोगों से मुक्ति योग द्वारा सम्भव है इस पर तरह तरह की टिप्पणियां भी आ रही हैं भारत सरकार ने आरोपों से बचने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की है जो योग के लाभ और हानि का वैज्ञानिक परीक्षण करेगी, इसी तरह अभी तक आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियों का निर्माण इस आधार पर हो जाता था कि इस औषधि निर्माण के लिए शास्त्रों में यह विधि वर्णित है, परन्तु अब सरकार ने एक वैज्ञानिक कमेटी का गठन किया है जो यह निर्णय लेगी कि जिन–जिन घटकों का प्रयोग इन औषधि निर्माण में किया गया है उसका क्या वैज्ञानिक आधार है ?, आज इस कसौटी पर आयुर्वेद और यूनानी हैं तो कल यह शिंकजा इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर भी कसा जा सकता है और उस वक्त यदि हमारी औषधियां वैज्ञानिकता की कसौटी पर खरी नहीं उतरीं तो क्या होगा?

इन सारी गम्भीर विषयों पर चिन्तन के बाद अध्यक्ष द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए भारत सरकार स्वास्थ्य मन्त्रालय का 21 जून, 2011 का आदेश काफ़ी है यह आदेश स्पष्ट है एवं अधिकार प्रदान करता है और इस आदेश से यह भी स्पष्ट है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जो भी कार्य होंगे वे 25 नवम्बर, 2003 में वर्णित निर्देशों के अनुसार ही किये जायेंगे और सभी राज्य सरकारों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को यह स्पष्ट आदेश भी है कि इस आदेश को हर राज्य अपने यहां लागू करे, इस प्रकार से पूरे देश में 21 जून, 2011 के अनुसार कार्य किया जा सकता है, जो लोग इसके विरूद्ध कार्य करते हैं वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कभी भी सहायक नहीं सिद्ध हो सकते इसलिए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया ने यह निर्णय लिया है कि सभी राज्य सरकारों को 21 जून, 2011 की प्रति प्रेषित कर उनसे निवेदन किया जायेगा कि हर राज्य सरकार अपने राज्य में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा करे और जो संस्था 21 जून, 2011 के अनुरूप कार्य कर रही हों सरकार उन्हें अपना सहयोग व समर्थन प्रदान करे।

जहाँ एक संस्था विधि सम्मत ढंग से और निर्देशों का पालन करते हुए कार्य कर रही है वहीं अन्य संस्थायें मन माने ढंग से कार्य कर रही हों तो ऐसी स्थिति में कार्यों का सही मूल्यांकन नहीं हो पाता है ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि जो संस्थायें वास्तविक कार्य कर रही हों वह बिना किसी गठजोड़ के अकेले ही कार्य करें क्योंकि सफ़लता पाने के लिए दो चार लोगों की राय की आवश्यकता नहीं होती, व्यक्ति अकेले ही कार्य करते हुए परिणामों को प्राप्त कर सकता है।

परिणाम हमें हर हाल में पाने हैं इसके लिए हम हर रचनात्मक कार्य करने से पीछे नहीं हटेंगे, निराशा और भय के लिए अब कोई स्थान नहीं है और न ही रास्ता दुर्गम है।

जब सब कुछ स्पष्ट और साफ–साफ है तो कार्य करने में हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिये, हम अभी प्रयास करेंगे कि हमारे जो नौजवान और बुजुर्ग साथी किसी कारण वश दिशा भ्रमित हो गये हैं वह वास्तविकता से परिचित हों और जिस ऊर्जा के साथ पूर्व में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य कर रहे थे उसी ऊर्जा को एक बार फिर से संरक्षित करके इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में अपना योगदान देंगे हम इंतजार करेंगे कि पूरी निष्ठा के साथ लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ें यदि लोग नहीं जुड़ते हैं तो हमे अकेले चलने में भी कोई भी गुरेज़ नहीं होगा, कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं उसे पूरा करना हम अपना धर्म समझते हैं और इस धर्म को निभाने में यदि हमें कुछ साथियों से बिछुड़ना भी पड़े तब भी उस कष्ट को बर्दाश्त करते हुए हम अपना धर्म निभायेंगे, क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति किसी व्यक्ति विशेष या संस्था विशेष के लिए नहीं है यह सम्पूर्ण मानवता के लिए है, मानवता का कल्याण हो इस भावना से ओत प्रोत होकर हम पुनः आवाहन करते हैं कि पूरे मनोयोग और पूरी उर्जा से लग कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य करें।

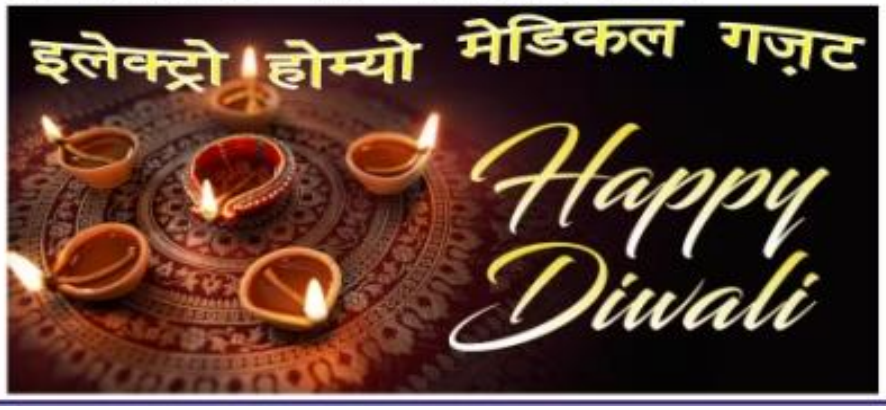

Board of Electro Homoeopathic Medicine, U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, LUCKNOW-226001
Adm.office: 127/204 "S" Juhi, KANPUR-208014
web site: www.behm.org.in Email:registrarbehmup@gmail.com

List of Medical Institutes/Institute

Sr.	Code	Name	District	Principle & Mob.No.
1	01	Ashish Electro Homoeopathic Medical Institute	RAIBARELY	Dr. P. N. Kushwaha 9415177119
2	03	Awadh Electro Homoeopathic Medical Institute	LUCKNOW	Dr. R.K. Kapoor 9335916076
3	05	Bhagwan Mahaveer Electro Homoeopathic Institute	JAUNPUR	Dr. P. K. Maurya 9451162709
4	06	Maa Sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	LAKHIMPUR	Dr. R.K. Sharma 9454236971
5	11	Chand Par Electro Homoeopathic Medical Institute	AZAMGARH	Dr. Mushtaq Ahmad 9415358163
6	13	Azad Electro Homoeopathic Medical Institute, Kintoor	BARABANKI	Dr. Habib-ur-Rehman 8574239344
7	15	Electro Homoeopathic Medical Institute	SHAHJAHANPUR	Dr. Ammar-Bin-Sabir 9336034277
8	16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Institute	Shahganj JAUNPUR	Dr. S. N. Rai 9450088327
9	17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	SIDDHARTH NAGAR	Dr.Ved Prakash Srivastav 9936022029

List of Study Centres

Sr.	Code	Name	District	Principle & Mob.No.
10	52	Deoria E.H. Study Centre	DEORIA	Dr. P. K. Srivastav 9415826491
11	53	Bahraich E.H. Study Centre	BAHRAICH	Dr. Bhoop Raj. Srivastav 9451786214
12	54	Unnao E.H. Study Centre	UNNAO	Dr. Gaurav Dwivedi 9935332052
13	55	Walidpur E.H. Study Centre	Walidpur MAU	Dr. Ayaz Ahmad 9305963908
14	56	Aarti E.H. Study Centre	JALAUN	Dr. Gaya Prasad 8874429538
15	57	B.K. E.H. Study Centre	HAMIRPUR (U.P.)	Dr. N.B.Nigam 7007352458
16	58	Electro Homoeopathic Study Centre	Hasanganj UNNAO	Hakim Mohd. Rashid Hayat 9005680843
17	59	Sirsaganj E.H. Study Centre	Sirsaganj FIROZABAD	Dr. Mohd. Israr Khan 9634503421
18	60	Etawah E.H. Study Centre	ETAWAH	Dr. Mohd. Akhlak Khan 7417775346
19	61	Firozabad E.H. Study Centre	FIROZABAD	Dr. Shiv Kumar Pal 9027342885
20	62	D.L.M.M. Study Centre of E.H.	MAHARAJGANJ	Dr. Prince Srivasta 7398941680
21	63	Kushwaha Study Centre of E.H.	KANPUR	Dr. Ram Autar Kushwaha 9793264649

AUTHORISED STUDY CENTRES OF OTHER STATES

Sr.	Code	Head of Centre	Address	District
22	81	Dr. Devendra Singh Mobile No 9818120565	374/4 Shaheed Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar	DELHI-110090

LIST OF AUTHRISED EXAMINATION CENTRES

Sr.	Code	Examination Centre	Address	Head of Examination Centre
23	91	Khurja E.H. Examination Centre	Kurja , BULAND SHAHAR	Dr. P. K. Raghav 7505186156
24	92	Electro H0moeopathic Examination Centre	MORADABAD	Dr. S. K. Saxena 8171869605

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति विकास एवं अनुसंधान संस्थान

127/एस/204 डी0, जूही, विनोबा नगर, कानपुर–208014

उद्देशय

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आदेश संख्या– C.30011/22/2010 HR दिनांक 21 जून, 2011 के अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति की शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन, अनुसंधान एवं विकास हेतु कार्य करना

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्य

आपके अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाला एक मात्र संगठन 1983 से

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

Recognised by Government of India Ministry of Heath & Family Welfare
vide order No: C.30011/22/2010-HR Dated 21-06-2011

A self Regulatory Body

Head office : 127/204 "S" Juhi, KANPUR-208014 || Adm.Office : 8- Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, LUCKNOW-226001

E-mail : ehmaik@gmail.com website- www.behm.org.in

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया गया।